इइ चतुर्थ - वर्ग 15

8. कहानी कला की दृष्टि से 'चीफ की दावत' कहानी की समीक्षा कीजिए।

9. प्रसाद की कहानी कला की विवेचना कीजिए।

A (Printed Pages 4)

Roll. No. _____

A-255

शास्त्रि (तृतीय वर्ष) परीक्षा, 2015

आधुनिक विषय

प्रथम -हिन्दी

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 100**

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रश्न सं. 1 अनिवार्य** है। इसके अतिरिक्त **चार** वर्गों में से प्रत्येक वर्ग से **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : 4×10=40

(क) प्रयोगवाद की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) उपन्यास के प्रमुख तत्वों का उल्लेख कीजिए।

(ग) मुक्तिबोध के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(घ) 'पूस की रात' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(ड.) प्रेमचन्द के किसी एक उपन्यास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(च) 'अन्धायुग' के कथ्य का विश्लेषण कीजिए।

(छ) कहानी और नई कहानी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(ज) प्रेमचन्द के चार उपन्यासों का उल्लेख कीजिए।

(झ) भीष्म साहनी की कहानीकला की विशेषताएँ लिखिए।

(ञ) अज्ञेय का संक्षेप में साहित्यिक परिचय दीजिए।

प्रथम–वर्ग 15

2. निम्नलिखित अवतरण की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिएः

किन्तु हम हैं द्वीप।
हम धारा नहीं हैं।
स्थिर समर्पण है हमारा।
हम सदा से द्वीप हैं स्रोतस्विनी के
किन्तु हम बहते नहीं है
क्योंकि बहना रेत होना है
हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।

3. नई कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों का सोदाहरण निरूपण कीजिए।

द्वितीय - वर्ग 15

4. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

रात ने शीत को हवा से धधकाना शुरू किया। हल्कू उठ बैठा और दोनों घुटनों को छाती से मिलाकर सिर को उसमें छिपा लिया। फिर भी ठंड कम न हुई। ऐसा जान पड़ता था सारा रक्त जम गया है। धमनियों में रक्त की जगह हिम बह रहा है। उसने झुक कर आकाश की ओर देखा : अभी कितनी रात बाकी है? सप्तर्षि अभी आकाश में आधे भी नहीं चढ़े थे। ऊपर आ जाएँगे तब कहीं सबेरा होगा।

5. हिन्दी कहानी के विकास में प्रेमचन्द के योगदान का आकलन कीजिए।

तृतीय - वर्ग 15

6. अज्ञेय के काव्यगत सौन्दर्य का उद्‌घाटन कीजिए।

7. धर्मवीर भारती के काव्य की वस्तु और शिल्प की दृष्टि से विवेचना कीजिए।